DR DHANVIR PRASAD

ASSISTANT PROFESSOR (G.T)

DEPT.OF.PSYCHOLOGY

C.M.J COLLEGE DONWARIHAT(KHUTONA)MADHUBANI

L.N.M.U DARBHANGA

MOBILE NO:- 6206696451

E-MAIL- dhabeerparasad@gmail.com

THEORIES OF LEARNING

सीखने के भिन्न-भिन्न सिद्धांतों में कई सम्मान समस्याओं के साथ-साथ कई परस्पर विरोधी समस्याएँ है जिनमें समीपता एवं प्रबलन, अर्जित प्रतिक्रियाओं का विलोपन,आकस्मिक सीखना या क्रमिक सीखना, अधिगम के प्रकार आदि मुख्य है। इन्हीं विरोधी समस्याओं के परिणाम स्वरूप सीखने के कई सिद्धांतों का विकास हुआ। यहा हम थॉर्नडाइक का सम्बन्ध सिद्धांत का वर्णन करेंगे-

THORNDIKE, S THEORY OF CONNECTIONISM

प्रयोगात्मक पशु-मनोविज्ञान के पथ प्रदर्शक के रूप में थॉर्नडाइक का नाम आज भी प्रसिद्ध है। उन्होंने प्रयोगशाला में छोटे-छोटे पशुओं पर अध्ययन किया जिससे प्रयोगात्मक मनोविज्ञान की नींव काफी मजबूत हो गई। उन्होंने विशेष रूप से यह देखने का प्रयास किया कि पशु अपने समस्याओं का समाधान करना कैसे सिखते है। उन्होंने 1898 में "पशु-बुद्धि" नामक एक लेख प्रकाशित किया। इस लेख में उन्होंने अपने सिद्धांत की चर्चा की, जिसे संबंध सिद्धांत कहते हैं। उनके इस सिद्धांत को प्रयत्न एवं भूल सिद्धांत भी कहा जाता है। उनका यह सिद्धांत मुख्य रूप से दो प्रकार की समस्याओं पर किए गए प्रयोगों पर आधारित है। एक समस्या को उलझन बक्स समस्या तथा दूसरी समस्या को भूल भुलैया समस्या कहते हैं। पहली समस्या से संबंधित प्रयोग बिल्ली पर तथा दूसरी समस्याओं से संबंधित प्रयोग चूहे पर किया गया। हम यहां बिल्ली पर किए गए प्रयोग की व्याख्या विशेष रूप से तथा चूहे पर किए गए प्योग की

व्याख्या समान रूप से करना चाहेंगे ताकि आपको थार्नडाइक के सिद्धांतों को समझने में आसानी हो सके।

उलझन-बक्स प्रयोग :-

उलझन बक्स एक प्रकार का पिंजरा है जो खास तरह का बनाया गया था ।उसमें एक सिटकिनी लगी हुई थी जिसको दबा देने पर पिंजरे का दरवाजा खुल जाता था।पिंजरे के बाहर कुख दूरी पर भोजन रख दिया गया था कि बिल्ली उसे देख सके लेकिन बिना दरबाजा खुले इसे प्राप्त न कर सके। अब एक भूखी बिल्ली को उस पिंजरे मे बंध कर दिया गया। बिल्ली बाहर आने और भोजन प्राप्त करने के लिए उछल कूद करने लगी। कभी पिंजरे के तारो पर पंजा मारती,कभी दाँत से काटती और कभी उछलती। इस प्रकार उसने अनेक अनियमित व्यवहार किए। इसी उछल कुद के बिच संयोग से उसका पंजा सिटकिनी से टकरा गया और सिटकिनी के दबने से अचानक दरबाजा खुल गया। बिल्ली पिंजरे बाहर आई और भोजन प्राप्त किया । कुछ समय बाद उसे पिंजरे में

बन्द कर दिया गया और भोजन बाहर रख दिया गया। बिल्ली फिर बाहर आने और भोजन हासिल करने के लिए कोशिश करने लगी।इस प्रकार इस बार भी अनियमित व्यवहार करते-करते उसका पंजा सिटकिनी पर पडा और दरवाजा खुल गया। बिल्ली ने तुरंत पिंजरे से बाहर आकर भोजन प्राप्त किया। पहले प्रयत्न के तुलना में इस बार बिल्ली ने भूलें कम की और समय भी कम लगा इसी तरह बार-बार बिल्ली को पिंजरे में बन्द किया गया और भोजन बाहर रखा गया । बिल्ली ने बेर-बार अनियमित व्वहार करने के क्रम मे सिटकिनी दबाई और अपनी समस्या का समाधान किया ।अनेक प्रयतनों के बाद बिल्ली ने सिटकिनी को दबाकर दरबाजा खोलना सिख गया।अब वह बिना भूल किये ही बहुत कम समय मे सिटकिनी दबाकर दरबाजा खोलकर भोजन प्राप्त करती थी।